

---

Shri Ganapati Talam

श्रीगणपतितालम्

Document Information

---

Text title : gaNapatitAlam

File name : gaNapatitAlam.itx

Category : ganesha

Location : doc\_ganesha

Transliterated by : Malleswara Rao Yellapragada malleswararaoy at yahoo.com, PSA Easwaran

Proofread by : Malleswara Rao Yellapragada, PSA Easwaran

Latest update : March 17, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीगणपतितालम्



(तत्पुरुषाय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि  
तन्नो दन्तिः प्रचोदयात् ॥)

विकटोत्कटसुन्दरदन्तिमुखं  
भुजगेन्द्रसुसर्पगदाभरणम् ।  
गजनीलगजेन्द्रगणाधिपतिं  
प्रणतोऽस्मि विनायकहस्तिमुखम् ॥ १ ॥

सुरसुरगणपतिसुन्दरकेशं  
ऋषिऋषिगणपतियज्ञसमानम् ।  
भवभवगणपतिपद्मशरीरं  
जयजय गणपति दिव्य नमस्ते ॥ २ ॥

गजमुखवक्त्रं गिरिजापुत्रं गणगुणमित्रं गणपतिमीशप्रियम् ॥ ३ ॥  
करधृतपरशुं कङ्कणपाणिं कबलितपद्मरुचिम् ।  
सुरपतिवन्द्यं सुन्दरवक्त्रं सुन्दरचितमणिमकुटम् ॥ ४ ॥

प्रणमतदेहं प्रकटितकालं षष्ठिरि तालमिदं  
तत्तत्षष्ठिरि तालमिदं तत्तत्षष्ठिरि तालमिदम् ॥ ५ ॥

लम्बोदरवरकुञ्जासुरकृतकुङ्कुमवर्णधरम् ।  
श्वेतसशुङ्गं मोदकहस्तं प्रीति सपनसफलम् ॥ ६ ॥

नयनत्रयवरनागविभूषितनानागणपति तं तत्तक्  
नयनत्रयवरनागविभूषितनानागणपति तं तत्तक्  
नानागणपति तं, तत्तक् नानागणपति तं तत्तक् नानागणपति तम् ॥ ७ ॥

धवलितजलधरधवलितचन्द्रं  
फणिमणिकिरणविभूषितखड्गम् ।  
तनुतनुविषहरशूलकपालं

हरहरशिवशिवगणपतिमभयम् ॥ ८ ॥

कटतटविगलितमदजलजलधितगणपतिवाद्यमिदं

कटतटविगलितमदजलजलधितगणपतिवाद्यमिदं

तत्तत् गणपतिवाद्यमिदं, तत्तत् गणपतिवाद्यमिदम् ॥ ९ ॥

तत्गदिं नं तरिगु तरिजनकु कुकुत्तद्दि कुकुतकिट डिडिङ्गु डिगुनकुकुतद्दि

तत्त इं इं तरित ! त इं इं तरित तकतइं इं तरित ।

त इंइं तरित तरिदणत तरजुणुत जुणुदिमि टकटदिकुतरिगिटतों

टकि टकटदिकुतरिगिटतों टकि टकुदिकुतरिगिटतों ताम् ॥ १० ॥

तक-तकिट-तकतकिट-तक-तकिटततों,

शशिकलितशशिकलितमौलिनं शूलिनम् ।

तक-तकिट-तक-तकिट-तक-तकिट-तत्तोम्,

विमलशुभकमलजलपादुकं पाणिनम् ।

धित्तकिट-धित्तकिट-धित्तकिटतत्तों,

प्रमथगणगुणखचितशोभनं शोभितम् ।

धित्तकिट-धित्तकिट-धित्तकिटतत्तों,

मृदुलभुजसरसिजभिपानकं पोषणम् ।

धकतकिट-थकतकिट-थकतकिटतत्तों,

पनसफलकदलिफलमोदनं मोदकम् ।

धित्तकिट-धित्तकिट-धित्तकिटतत्तों,

प्रमथगुरुशिवतनयगणपति तालनम् ।

गणपति तालनं ! गणपति तालनम् !! ॥ ११ ॥

इति गणपतितालं सम्पूर्णम् ।

Some renderings start with the following two verses,

then the Gayatri, followed by the main vikaTotkaTa onwards.

(अगणितफणिफणमणिगणकिरणे

ररुनितनिजलनुरविधधवदन ।

धटधटलुटधलिकुलकलविनदो

गणपतिरधमतमिहदिशतनुः ॥


लम्बोदरवरकुञ्जावस्थितकुङ्कुमवर्णधरं

श्वेतशृङ्गं बीनसुहस्तं प्रीति सपनसफलम् ।


नागत्रययुतनागविभूषण नानागणपति तन्तं  
नानागणपति तन्तं नानागणपति तन्तम् ॥ )

Encoded and proofread by Malleswara Rao Yellapragada malleswararao at  
yahoo.com  
and PSA Easwaran

---

——  
*Shri Ganapati Talam*

pdf was typeset on November 22, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

